अधिष्ठाता, छात्र कल्याण
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर (म0प्र0)

क्रं0 दिनांक :

प्रति,

प्राचार्य / विभागाध्यक्ष / निदेशक
समस्त सम्बद्ध महाविद्यालय / अध्ययनशाला
जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

विषय : महात्मा गॉधी के 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों के सम्बन्ध में।

महोदय / महोदया,

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि महात्मा गॉधी के 150वें जन्म वर्ष के उपलक्ष्य में शासन द्वारा जारी महात्मा गॉधी कैलेण्डर में जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर को दिनांक 01 नवम्बर से 15 नवम्बर 2018 के मध्य सहकारिता, सत्याग्रह एवं अहिंसा विषय पर कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन में दिनांक 03 नवम्बर 2018 को निबन्ध एवं प्रश्नमंच प्रतियोगिताएँ एवं दिनांक 15 नवम्बर 2018 को वाद–विवाद एवं भाषण प्रतियोगिताएँ जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर के गालव सभागार में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित हैं।

अतः आप अपने महाविद्यालय / अध्ययनशाला के छात्र / छात्राओं को **उक्त प्रतियोगिताओं में** आवश्यक रूप से भागीदारी हेतु भेजकर सहयोग प्रदान करें।

धन्यवाद,

भवदीय

संलग्न : नियमावली

(डॉ0 केशव सिंह गुर्जर)
अधिष्ठाता, छात्र कल्याण

नोट : प्रत्येक महाविद्यालय / अध्ययनशाला से एक या एक से अधिक छात्र / छात्रा एक या एक से अधिक प्रतियोगिताओं में भागीदारी कर सकते हैं।

प्रतियोगिताओं के नियम

भाषण प्रतियोगिता :

1. प्रत्येक महाविद्यालय/अध्ययनशाला से एक या एक से अधिक छात्र/छात्रा भाग ले सकते है।
2. प्रतियोगिता का माध्यम हिन्दी / अंग्रेजी होगा।
3. प्रत्येक प्रतियोगी को अधिकतम 05 मिनिट का समय दिया जायेगा।
4. किसी धर्म, जाति, वंश व्यक्ति पर व्यक्तिगत आक्षेप करने पर प्रतियोगी को अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा।
5. निर्णय का आधार विषय वस्तु, वैचारिक संयोजन, शैली/उच्चारण एवं समग्र प्रभाव होगा।
6. प्रतियोगिता का विषय – **''गॉधी जी का वैश्विक स्वरूप''**
7. निर्णायकों का निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा।

वाद–विवाद प्रतियोगिता :

1. प्रत्येक महाविद्यालय/अध्ययनशाला से दो छात्र/छात्राओं (पक्ष एवं विपक्ष) से बना एक या एक से अधिक दल का एक दल भागीदारी कर सकता है।
2. प्रतियोगिता का माध्यम हिन्दी / अंग्रेजी होगा।
3. प्रत्येक प्रतियोगी को अधिकतम 5 मिनिट का समय दिया जायेगा।
4. किसी धर्म, जाति, वंश, व्यक्ति पर व्यक्तिगत आक्षेप करने पर प्रतियोगी को अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा।
5. निर्णय का आधार वैचारिक स्तर, तर्कशक्ति, अभिव्यक्ति की मौलिकता, उच्चारण/शैली एवं समग्र प्रभाव होगा
6. प्रतियोगिता का विषय **''गॉधी जी की सत्य अहिंसा विश्व स्तर पर स्वीकृति प्राप्त करती है''**
7. निर्णायकों का निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा।

निबन्ध

1. प्रत्येक महाविद्यालय/अध्ययनशाला से एक या एक से अधिक प्रतियोगी भाग ले सकते हैं।
2. प्रतियोगिता लिखित में होगी।
3. सर्वोच्च अंकों के आधार पर विजयी प्रतियोगियों का चयन किया जायेगा।
4. प्रतियोगिता का विषय **''आजादी के संघर्ष में गॉधी जी का योगदान''**
5. निर्णायकों का निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा।

प्रश्नमंच

1. प्रत्येक महाविद्यालय/अध्ययनशाला से एक या एक से अधिक प्रतियोगी भाग ले सकते हैं।
2. प्रतियोगिता लिखित में होगी।
3. सर्वोच्च अंकों के आधार पर विजयी प्रतियोगियों का चयन किया जायेगा।
4. इसके अतिरिक्त अन्य नियम / उपनियम क्वीज मास्टर द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।
5. निर्णायकों का निर्णय अन्तिम एवं सर्वमान्य होगा।